Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to develop Punaura Dham near Sitamarhi in Bihar as tourist Centre.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): अध्यक्ष महोदया, धन्यवाद।

सबसे पहले मैं आपके माध्यम से आदरणीय प्रधान मंत्री जी को हृदय से धन्यवाद देती हूँ कि भगवान श्री राम अयोध्या से जनकपुर जिन-जिन रास्तों से माता सीता का वरण करने निकले थे, उन रास्तों को राम-जानकी पथ की संज्ञा देकर उसका निर्माण कराने जा रहे हैं, जो कि मेरे संसदीय क्षेत्र के शिवहर एवं सीतामढ़ी से होकर गुजरेगी।

महोदया, यह सर्वविदित है कि माँ जानकी का जन्म बिहार राज्य के सीतामढ़ी से 4 किलोमीटर दूर पुनौराधाम में हुआ था। इसी स्थान पर माता सीता का एक मंदिर है, जहां पर उनकी मूर्ति स्थापित है। इसके पीछे एक कुंड है जहाँ राजा जनक द्वारा हल चलाते हुए माँ जानकी धरा से प्रकट हुई थी। इसका महत्व अयोध्या से कम नहीं है। ऐसी मान्यता है कि बिना सीता के राम नहीं, बिना राम के सीता नहीं। हम में से बहुत लोग अयोध्या गए होंगे पर यदि पुनौराधाम नहीं गए तो कहा जाता है कि पुण्य अधूरा रहेगा। इसके लिए आवश्यक है कि माँ जानकी की जन्मस्थली पुनौराधाम का विश्व के नक्शे में विशेऐा स्थान हो और इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए। सीता माता ने एक माँ के रूप में, एक पत्नी के रूप में इस धरती पर जो-जो भूमिका निभाई है, उसके महत्व के लिए पुनौराधाम भारत की संस्कारधानी बनना चाहिए। इसके लिए वैशाली एवं नालंदा की तर्ज़ पर पुनौराधाम का पर्यटन स्थल के रूप में जीर्णोद्वार होना चाहिए तथा इस स्थान को राज्य एवं देश के हर क्षेत्र से आने जाने के लिए सरकार द्वारा आवश्यक एवं सुविधा युक्त ढाँचा तैयार किया जाए। धर्मनिरपेक्ष देश होने के कारण सरकार मंदिर बनाने में योगदान नहीं कर सकती है; किंतु इस स्थान को सुविधा देने और पर्यटन केद्र बनाने के लिए तो प्रयास कर ही सकती है।

माननीय अध्यक्ष:

श्री कुँवर पुऐपेद्र सिंह चन्देल तथा

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्रीमती रमा देवी द्वारा उठाए गए विऐाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।